Patrika (Indore), 08th December 2015, Page – 05

आईआईटी के 10 लाख माफ करने की तैयारी में यूनिवर्सिटी

आईईटी-आईआईटी का विवाद खत्म करने की कोशिश

इंदौर @ पत्रिका. आईईटी और आईआईटी के बीच चल रही नोटिस की जंग में यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने 10 लाख की बकाया राशि माफ करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में जल्द दोनों संस्थान के अफसरों की बैठक बुलाकर घोषणा होगी।

डीएवीवी के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की क्लासेस 2008 से किराए पर चली है। सिमरोल कैंपस में क्लासेस शिफ्ट करने के बाद आईआईटी ने अक्टूबर 2015 में एम ब्लॉक की चाबियां आईईटी को सौंपने की कोशिश की तो आईईटी ने किराया बाकी होने की बात कहते हुए चाबियां लेने से इनकार कर दिया। इस पर आईआईटी ने कोरियर से चाबियां भिजवा दी। आईईटी ने बकाया किराया देने और कैंपस में तोड़फोड़ की मरम्मत के लिए नोटिस भेजा। जवाब में आईआईटी ने आईईटी के प्रशासनिक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए। यूनिवर्सिटी पहुंचे इस पत्र के बाद से ही अफसर विवाद खत्म करने की कोशिश में जुटे थे। रजिस्ट्रार आरडी मूसलगांवकर का कहना है, दोनों पक्षों से चर्चा की है। विवाद जैसी स्थिति नहीं है। आईआईटी से पांच साल के संबंधों के आधार पर ही यूनिवर्सिटी निर्णय लेगी।